कुल प्रश्नों की संख्या : 18] [कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

X-181001–C

विषय : हिन्दी (विशिष्ट)

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 75

निर्देश : (*i*) प्रश्न-पत्र में कुल 18 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न हल कीजिए।

(*ii*) प्रश्न क्रमांक 1 (खण्ड-अ) बहुविकल्पीय, (खण्ड-ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति तथा (खण्ड-स) उचित संबंध जोड़िए से संबंधित वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक वस्तुनिष्ठ प्रश्न पर 1 अंक निर्धारित है।

(*iii*) प्रश्न क्रमांक 2 से 6 तक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न हैं। इनका उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक निर्धारित हैं।

(*iv*) प्रश्न क्रमांक 7 से 10 तक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न हैं। इनका उत्तर लगभग 50 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न पर 3 अंक निर्धारित हैं।

(*v*) प्रश्न क्रमांक 11 से 15 तक लघुउत्तरीय प्रश्न हैं। इनका उत्तर लगभग 75 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न पर 4 अंक निर्धारित हैं।

(*vi*) प्रश्न क्रमांक 16 निबंध-लेखन से संबंधित है। इसका उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। इसमें 8 अंक निर्धारित हैं।

(*vii*) प्रश्न क्रमांक 17 दीर्घउत्तरीय प्रश्न है। इसका उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए। इसमें 5 अंक निर्धारित हैं।

(*viii*) प्रश्न क्रमांक 18 अपठित गद्यांश से संबंधित है। इसमें 5 अंक निर्धारित हैं।

(*ix*) प्रश्न क्रमांक 11 से प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

प्रश्न-1 (**खण्ड-अ**) सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(*i*) चने के सिर पर किस रंग की पगड़ी सजी हुई है ? [1]

(*अ*) लाल रंग की (*ब*) पीले रंग की

(*स*) गुलाबी रंग की (*द*) हरे रंग की

(*ii*) 'क्रन्दन' शब्द का सही अर्थ है : [1]

(*अ*) क्रोध भरा रूदन (*ब*) गुस्सा भरा रूदन

(*स*) हर्ष भरा रूदन (*द*) दुख भरा रूदन

(*iii*) जिस सामासिक शब्द में दोनों पद प्रधान होते हैं, उसे कहते हैं : [1]

(*अ*) द्विगु समास (*ब*) द्वन्द्व समास

(*स*) कर्मधारय समास (*द*) बहुव्रीहि समास

(*iv*) 'जनतंत्र का जन्म' किस शब्दगुण की कविता है ? [1]

(अ) प्रसादगुण (ब) माधुर्यगुण

(स) ओजगुण (द) शोरगुण

(*v*) अरुण किस प्रदेश का राजकुमार था ? [1]

(अ) कोशल प्रदेश (ब) मगध राज्य

(स) श्रावस्ती (द) पाटलिपुत्र

(खण्ड-ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(*i*) 'चंदा अस मन सुरुज कस तन' में —— अलंकार है। [1]

(*ii*) 'जीवन का झरना' कविता के कवि —— हैं। [1]

(*iii*) ठूँठ का पेड़ —— का प्रतीक है। [1]

(*iv*) 'साध' कविता में —— की कल्पना की गई है। [1]

(*v*) 'जेबकतरा' —— लेखक की लघुकथा है। [1]

(खण्ड-स) उचित सम्बन्ध जोड़िए :

	(क)		(ख)	
(*i*)	मधुलिका	–	सोनाखान	[1]
(*ii*)	माटीवाली कहानी	–	शाम	[1]
(*iii*)	लोकनाट्य	–	टिहरी	[1]
(*iv*)	वीरनारायण	–	पुरस्कार	[1]
(*v*)	संझौती	–	नाचा	[1]

प्रश्न-2 एक कोलाहल भरे घनी आबादी वाले नगर की दो विशेषताएँ लिखिए। [2]

प्रश्न-3 जगत का सबसे विराट जनतंत्र किसे कहा गया है ? [2]

प्रश्न-4 'कन्यादान' कविता में किसके-किसके मध्य संवाद हो रहा है ? [2]

प्रश्न-5 वीरनारायण सिंह किस संचेतना के संवाहक थे ? [2]

प्रश्न-6 निर्गुण भक्तिधारा के दो कवियों के नाम लिखकर उनकी एक-एक रचना का नाम लिखिए। [2]

प्रश्न-7 क्या वास्तव में कन्या, दान की वस्तु होती है ? समझाइए। [3]

प्रश्न-8 तीजन बाई किस शैली की गायिका है ? इस शैली का आशय स्पष्ट कीजिए। [3]

प्रश्न-9 क्या हमारे समाज में महिलाओं के साथ भेदभाव होता है ? तर्क के आधार पर स्पष्ट कीजिए। [3]

प्रश्न-10 प्रगतिवाद किसे कहते हैं ? प्रगतिवाद की दो विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। [3]

प्रश्न-11 उन चार बिंदुओं को लिखिए जहाँ पर 'गोधूलि' कहानी में परिस्थिति बदलती है। [1+1+1+1=4]

अथवा

वाच्य किसे कहते हैं ? कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य और भाववाच्य की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

प्रश्न-12 सिकुमार ने बैठक में क्या विनती की ? वह किसान से मज़दूर कैसे बन गया ? [1+3=4]

अथवा

भूखन ने सिकुमार को पुलिस की नौकरी करने की क्यों सलाह दी ? उसकी नौकरी कैसे छूट गई ? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न-13 निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या कीजिए : [4]

सरिता के नीरव प्रवाह-सा बढ़ता हो अपना जीवन।
हो उसकी प्रत्येक लहर में अपना एक निरालापन ॥
रचे रुचिर रचनाएँ जग में अगर प्राण भरने वाली।
दिशि-दिशि को अपनी लाली से अनुरंजित करने वाली ॥

अथवा

निर्झर कहता है—बढ़े चलो, तुम पीछे मत देखो मुड़कर।
यौवन कहता है—बढ़े चलो, सोचो मत क्या होगा चलकर।
चलना है केवल चलना है, जीवन चलता ही रहता है।
मर जाना है रुक जाना ही, निर्झर यह झरकर कहता है।

प्रश्न-14 'नदी का उद्गम : अमरकंटक' पाठ में वर्णित सौंदर्य को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए। [4]

अथवा

अविवेकपूर्ण व अंधाधुंध खनन से अमरकंटक क्षेत्र के पर्यावरण को किस प्रकार नुकसान हो रहा है ? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न-15 निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या कीजिए : [4]

''बीमारियाँ बहुत देखी हैं—निमोनियाँ, कालरा, कैंसर, जिनसे लोग मरते हैं। मगर यह टैक्स की कैसी बीमारी है जिससे वे मर रहे थे। वे पूरी तरह से स्वस्थ और प्रसन्न थे। तो क्या इस बीमारी में मजा आता है ? यह अच्छी लगती है जिससे बीमार तगड़ा हो जाता है।''

अथवा

''बाबा आदम के वनों को काट मैंने पत्थर की-सी जमीन खोदकर नरम कर डाली। उसे जोत-बो कर हरा कर दिया। विजयों से लौटे हुए रोमन जनरलों की प्रांतीय भूमि मीलों फैले खेत मैंने बोए-काटे। सामन्तों की दुनिया मैंने बसाई जिनकी गहराइयों में आदमियों को भूखे शेर की भाँति कठघरों के पीछे रखा जाता था।''

प्रश्न-16 निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए : [8]

(*i*) बेरोजगारी के कारण और निदान

(*ii*) वर्षा ऋतु के लाभ

(*iii*) राष्ट्रीय पर्वों की उपयोगिता

(*iv*) अनुशासन और विद्यार्थी

(*v*) छत्तीसगढ़ के तीर्थ स्थान

प्रश्न-17 आपका नाम रवि कुमार है। आप ग्राम-बाँधाटोला, तहसील-मोहला में रहते हैं। आप अपनी बड़ी बहिन के विवाह की तैयारियों की जानकारी देते हुए अपने मित्र सुरेन्द्र को, जो कि रामपारा, जगदलपुर में रहता है; एक पत्र लिखिए। [1+1+2+1=

अथवा

आपका नाम कुमारी सुनीता है। आप ग्राम-साल्हेटोला, तहसील-अंबागढ़ चौकी में रहती हैं। आप छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव को, दसवीं बोर्ड परीक्षा की अंक-सूची की द्वितीय प्रति प्रदान करने हेतु, कारण उल्लेख करते हुए एक आवेदन-पत्र लिखिए।

प्रश्न-18 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा गद्यांश के अंत में दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

"एक जलते हुए घर को देखकर एक बड़ी गाड़ी रुकती है और फिर तेजी से निकल जाती है कि कहीं कोई मदद के लिए अनुरोध न कर दे। लोग बड़ी बेरूखी से यह सोचकर निकल जाते हैं कि हम तो इन्हें पहचानते भी नहीं! फिर मदद क्यों करें? इस आधुनिकतावाद और अजनबीपन से न तो लोग बच सके और न लेखक। छीजती संवेदना और अपरिचय के इस दौर में परसाई जैसे कुछ लेखकों ने व्यक्तिगत संपर्कों और निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर गलत को गलत कहने की हिम्मत दिखाई। व्यंग्य को व्यंग्य की तरह लिखा और ज्ञानात्मकता को संवेदना से जोड़कर व्यंग्य को एक ऊँचाई दी। एक कवि ने कहा है—

"राह में गड़े पत्थर को ठोकर मार दी मैंने,
कुछ और लोग मारेंगे तो उखड़ जाएगा।"

साहित्य में व्यंग्य भी कुछ इसी तरह की मानसिकता के परिणामस्वरूप उपजता है, शब्दों में ढलता है। व्यंग्य व्यक्तिगत, व्यवस्थागत असंतुष्टि और मन की खिन्नता के फलस्वरूप उपजी एक शाब्दिक प्रक्रिया है जहाँ व्यंग्यकार भावनात्मक होकर उसका सार्वजनिक रूप से उपहास उड़ाता है। एक मँजे हुए आलोचक की तरह विशुद्ध व्यंग्य द्वारा गलत को उधेड़कर सरेआम नंगा करता है। इन स्थितियों में व्यंग्यकार खुद के भोगे हुए यथार्थ को सामने रखता है या फिर देखे-सुने हुए परिदृश्यों को आक्रोश भरे शब्दों में विशेष उद्देश्य से प्रकट करता है। तो वह मनोरंजन भी करता है। यही छवि उसके लेखन को एक दिशा प्रदान करती है।"

प्रश्न :

(*i*) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। [1]

(*ii*) परसाई ने कौन-सी हिम्मत दिखाई? [2]

अथवा

परसाई ने व्यंग्य को किस तरह की ऊँचाई दी?

(*iii*) किन कारणों से व्यंग्य उत्पन्न होता है? [2]

अथवा

"व्यंग्य सरेआम नंगा करता है।" समझाइए।